अध्याय-10

निष्कर्ष और सिफारिशें

10.1 निष्कर्ष

10.1.1 भेल भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के अन्तर्गत एक महारत्न सीपीएसई है। एक प्रमुख घरेलू विद्युत उपस्कर विनिर्माता होने के कारण, भेल ने X से XII योजनाओं में परिकल्पित बढते हुए विद्युत उत्पादन लक्ष्यों के क्रम में विद्युत उपस्कर विनिर्माण क्षमता संवर्धन योजनाओं की योजना बनाई। X योजना के दौरान भेल ने दिसम्बर 2007 तक पूरा करने के लिए 6300 मे.वा. प्रति वर्ष से 10,000 मे.वा. प्रति वर्ष (चरण I) तक की अपनी विद्युत उपस्कर विनिर्माण क्षमता को बढाने के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम की योजना बनाई (2004-06)। इसी प्रकार, XI एवं XII योजनाओं के लिए 10,000 मे.वा. से 15,000 मे.वा. (चरण II) और 15,000 मे.वा. से 20,000 मे.वा. (चरण III) तक की क्षमता के अतिरिक्त संवर्धन के लिए 22 योजनाओं के दो और कार्यक्रम क्रमशः दिसम्बर 2009 और दिसम्बर 2011 तक पूरा करने के लिए जनवरी 2007 से जून 2009 के दौरान नियोजित किए गए थे। यद्यपि, भेल द्वारा चरण II और चरण III के अन्तर्गत योजनाओं को क्रमशः मार्च 2011 एवं मार्च 2012 में पूरा किया गया घोषित कर दिया गया था, तथापि, यूनिटों द्वारा दी गई वास्तविक स्थिति ने दर्शाया कि 22 योजनाओं में से 5 को अभी पूरा किया जाना शेष था (मार्च 2013)। इन क्षमता संवर्धन योजनाओं को शीघ्रता से समय पर पूरा करना आवश्यक था जिससे कि XI योजना द्वारा प्रदत्त अवसर का लाभ उठाया जा सके।

10.1.2 क्षमता विस्तारण कार्यक्रम में भेल द्वारा बाजार की मांग को पूरा करने के लिए विद्युत उपस्करों की सुपुर्दगी के समय चक्र में कटौती की परिकल्पना की गई थी। इसे पूर्णरूप से पूरा नहीं किया गया था क्योंकि क्षमता विस्तारण योजनाएं अभी तक कार्यान्वित की जा रही थी (मार्च 2013)। भेल में राष्ट्रीय विद्युत योजनाओं की प्रतिस्पर्धा एवं आवश्यकताओं को प्रभावी रूप से पूरा करने के लिए क्षमता संवर्धन की योजना और कार्यान्वयन में अपनी तैयारी को सुदृढ़ करने की गुंजाईश थी।

10.1.3 बेहतर तैयारी की आवश्यकता से अलग, विभिन्न खण्डों में क्षमता संवर्धन को योजना आवश्यकताओं के साथ मिलाने की भी ज़रूरत थी। XI और XII योजनाओं के दौरान अत्यधिक महत्वपूर्ण थर्मल खण्डों में देश के लिए 8,200 मे.वा. एवं 31,860 मे.वा की प्रक्षेपित आवश्यकताओं के प्रति भेल द्वारा नियोजित क्षमता संवर्धन क्रमशः केवल 5,280 मे.वा. और 18,000 मे.वा. था। तथापि, कम महत्वपूर्ण थर्मल खण्ड के मामलों में देश के लिए 12,640 मे.वा. की प्रक्षेपित XII योजना आवश्यकताओं के प्रति भेल में क्षमता संवर्धन को अधिशेष क्षमता वाला दर्शाते हुए 44,898 मे.वा. पर नियोजित किया गया था। जबकि प्रबंधन ने कहा कि क्षमता संवर्धन योजनाओं के अन्तर्गत स्थापित नई मशीनों का बड़े आकार के अधिक महत्वपूर्ण सैटों के विनिर्माण के लिए उपयोग किया जा सकता था, तथापि अधिक महत्वपूर्ण सैटों (बॉयलर से अलग) के विनिर्माण के लिए नई मशीनों के वास्तविक उपयोग के ब्यौरे, यदि कोई हैं, प्रबंधन द्वारा लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं कराए गए थे। इसलिए, यह सम्भावना है कि कम

महत्वपूर्ण खण्ड के तहत् टर्बाइनों और जेनरेटरों के लिए बनाई गई क्षमता का अभीष्टतम उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

10.1.4 XI और XII योजनाओं (लेखापरीक्षा में कवर की गई) के लिए क्षमता विस्तारण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से 2007-12 में अनुमोदित 22 योजनाओं में से 17 चयनित योजनाओं[57] में 07 माह और 62 माह के बीच के विलम्ब का पता चला। नियंत्रित न किए जा सकने योग्य कारकों से अलग, मशीनों के निर्माण और उन्हें शुरू करने के लिए विक्रेताओं के लिए लक्ष्यों के निर्धारण न करने, क्षतिग्रस्त उपस्कर को बदलने और आदेश देने से पूर्व की गतिविधियों में विलम्ब जैसे कारकों के कारण हुए विलम्बों को बाजार शोध, नियोजन और निगरानी में सुधार के द्वारा कम करना सम्भव था।

10.1.5 2007-11 के दौरान टर्बाइनों, जेरनेटरों एवं बॉयलरों के लिए मौजूदा स्थापित विनिर्माण क्षमता का बहुत कम उपयोग किया गया। यहाँ बेहतर उपयोग की पर्याप्त गुंजाईश थी। यद्यपि, 2011-12 के दौरान क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई, तथापि, चालू क्षमता संवर्धन के लाभों को प्राप्त करने के लिए इसके रख-रखाव और इसमें और सुधार की आवश्यकता है। उत्पन्न की गई विनिर्माण क्षमता की तुलना में 2012-13 में भेल द्वारा बुक किए गए अपर्याप्त आदेशों के मद्देनजर इसकी क्षमता का अभीष्टतम उपयोग करना भेल के लिए चुनौतीपूर्ण था। इसके अतिरिक्त, लेखापरीक्षा ने 2007-12 के दौरान अपने ग्राहकों को भेल द्वारा सुपुर्द किए 151 सैटों में से 126 में 7 और 68 माह के बीच उपस्करों की सुपुर्दगी में विलम्ब पाया (विस्तृत ब्यौरे पैरा 6.1 में)।

10.1.6 भेल की बाजार हिस्सेदारी (योजना अवधि के दौरान शुरू की गई/शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के आधार पर) X योजना के अन्त में 65 *प्रतिशत* से घटकर XI योजना के अन्त तक 59 *प्रतिशत* हो गई और XII योजना के अन्त तक इसके 58 *प्रतिशत* तक आने की सम्भावना है (XII योजना में पूरा होने वाली परियोजनाओं के सीईए डाटा के आधार पर)। प्रबंधन के कथनानुसार 2011-12 एवं 2012-13 के दौरान नए आदेशों पर मन्दक प्रभाव के कारण कोयला उपलब्धता से संबंधित अनिश्चितताओं के बावजूद प्रौद्योगिकी/क्षमता विनिर्माण की समय पर प्राप्ति, निविदाओं के लिए लागत अनुमान में सुधार और उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढाने के लिए भाड़ा लागतों पर नियंत्रण के माध्यम से आदेश पुस्तिका में गिरावट को कम करने की गुंजाईश थी। भेल को केन्द्रित आरएण्डडी प्रयासों और बढ़े हुए आरएण्डडी व्यय के माध्यम से अतिरिक्त लाभ होगा।

10.1.7 एमओयू में विभिन्न मापदण्डों के माध्यम से निष्पादन के मूल्यांकन के लिए अधिक उपयुक्त एवं चुनौतीपुर्ण लक्ष्यों को उपलब्ध कराने की गुंजाईश थी।

---

[57] *अनुबंध* I *में दिए गए अधूरे विवरण*

10.2 सिफारिशें

भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय

1. मंत्रालय निष्पादन मापदण्डों पर विचार करे और भेल के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए अधिक वास्तविक और उद्देश्यपरक आधार उपलब्ध कराने के लिए एमओयू में चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करे।

भेल

2. भेल, कर्मचारी लागतों सहित उचित लागतों को अपनाकर इसे अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए अपने उपस्कर के मूल्य तंत्र की समीक्षा करे।

3. भेल, आर एण्ड डी गतिविधियों पर बढते व्यय के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाए, विशेष रूप से मुख्य क्षेत्रों में जिससे कि प्रतिस्पर्धा में इन्हे लाभों में बदला जा सके।

4. निदेशक-मण्डल स्तर पर आवधिकता और निगरानी के स्तर निर्धारित करके परियोजना कार्यान्वयन और सुपुर्दगी में नियंत्रणयोग्य विलम्बों को न्यूनतम करने के लिए निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए।

पहली सिफारिश के संबंध में मंत्रालय ने कहा (अप्रैल/सितम्बर 2013) कि लक्ष्यों का निर्धारण और निष्पादन का मूल्यांकन स्वतंत्र कार्यबल द्वारा किया गया था। प्रबंधन ने शेष सिफारिशों को स्वीकार किया (अप्रैल 2013) और कहा (सितम्बर 2013) कि इस संबंध में कार्रवाई की जा रही थी।

उ० शंकर

(उषा शंकर)
उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
एवं अध्यक्ष, लेखापरीक्षा बोर्ड

नई दिल्ली
दिनांक : 29 नवंबर 2013

प्रतिहस्ताक्षरित

(शशि कान्त शर्मा)
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

नई दिल्ली
दिनांक : 29 नवंबर 2013